दिनांक : 13 फरवरी 2014

मोदी के साथ पावेल की बैठक, अमरीका का सुधारात्मक रुख

– अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

अमरीकी राजदूत सुश्री नैन्सी पावेल ने गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आज मुलाकात की। ऐसा लगता है कि गुजरात के मुख्यमंत्री के साथ संपर्क बहाल करने का अमरीकी प्रशासन का फैसला भारत की घरेलू स्थिति के बारे में उसके स्वतः आकलन पर आधारित है। मेरा मानना है कि अमरीकी प्रशासन खुद ही सुधारात्मक रुख अपना रहा है। भारत के एक निर्वाचित प्रतिनिधि के साथ संपर्क स्थापित नहीं करने का उनका पूर्व का फैसला किसी पक्के सबूत अथवा अदालत के फैसले पर आधारित नहीं दिखाई देता। यह मीडिया और कुछ एनजीओ के दुष्प्रचार का नतीजा था।

भाजपा के लिए यह नियमित कूटनीतिक बैठक थी। इस बारे में अब जरा भी संदेह नहीं रह गया है कि 2014 के आम चुनाव में गुजरात के मुख्यमंत्री सबसे आगे रहेंगे। वह तीन बार राज्य विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। पूर्व में कुछ देशों का उनके साथ कारोबार नहीं करने का फैसला भारत की विदेश नीति की विफलता थी। यह किसी राजनैतिक दल अथवा राज्य सरकार का काम नहीं है कि वह व्यापार के बारे में किसी अन्य देश के जवाब पर अथवा भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त करे। प्रतिक्रिया व्यक्त करने का काम विदेश मंत्रालय का है। क्या यूपीए के अंतर्गत विदेश मंत्रालय इस संबंध में विफल रहा? निश्चित तौर पर यही हुआ।

इस बैठक के बारे में विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद की प्रतिक्रिया स्पष्ट है। कांग्रेस पार्टी आज बेहद हतोत्साहित है। उसके सामने स्थिति स्पष्ट हो चुकी है। इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण उसे चुनावों में मिली पराजय है। तर्कसंगत रुप में देखा जाए तो ऐसा लगता है कि उसका पूरी तरह सफाया हो जाएगा। उसके मतों का आधार गायब हो चुका है। उसके नेताओं का अहंकार अभी कायम है। पिछले कुछ घंटों में उसके नेताओं की प्रतिक्रियाओं से उसका अहंकार झलकता है। विदेश मंत्री जिसे भारत के एक निर्वाचित प्रतिनिधि की प्रतिष्ठा को बचाना चाहिए, वह अमरीकी राजदूत की गुजरात के मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात से परेशान दिखाई दे रहे हैं।

भारत–अमरीकी संबंध भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने इन संबंधों को मजबूत बनाने में योगदान दिया। सभी पक्षों को यह समझना चाहिए कि संयम और शासन कला से हम अस्थायी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। संबंधों में संतुलन बिगाड़ने के लिए बहुत ज्यादा गलत बयानी नहीं होनी चाहिए।

✲✲✲✲✲